

ऋएीगाधन्त द्रश्चानी स्त ष्पाष्टए४ ५७एभ टे५७ मश्यामिस र्या स्रप्रत्य के इर के स्री से एक र्रुक्षमण रः ली प्रोज्ञ पण्य गार्र पण्टाचा टमीप स्ट्रोस स्रिक्षेस्य त्रेष्ट्यंत्र स्रिह्म EHSIM COMH



टेज्ञरूष्टल पण्डम टेज्जर ए°C) प्राटर प्र[े]ट ऊम*हे*ए रुक्षेद्रक्ष⁹ गटि°ट जेळक ����� いっぱがいぜ प्राप्तीका व्यक्तिमा भाभव्यक्रित्र राजाय श्रासभित प्राप्ते र र तरहात्वाम मब्दणाट भारत्र



प्रोक्षराज्या ने जन गरेपाम श्रीयार्णिस गेभ्गर्भाते सम्बद्धस्मर्या मार्सिटक (पा॰ रही गी गारी) ाणी उठ्येच *Eस*री एमराभ होज्ञर आश्लाञ्च टेष्टल ऋष यूसमार्ग COIIITO H



र॰ ८५ व्येष्ठ व्यःच जा। पा॰००मा भाष्ट्रगिएस भग्रष्ट हेए४ टेप्नर्राधात्री प्रदर्श्य स्थार्थकार स्थाप्य मिष्टम र्रंभमण लागरमें र्याप्रज्ञाम मार्गिक **亚ピピ <u>派田</u>º邓ペツそ プ⁸8**

ಽ೭ಽಷ ಬೇ೦ಗಡು ನೇ5ಈ, ಕಲ್ಗೇ ರಿ ಷಿಃ ಉಲ್ಲಾಹ್ ರಿಗೆಟ೦ಗನ

तर्रह राजापण रहेह ॥

प्रशामाट आराएर्स श

三。田坐山高を田。日

HUEIYEN LANPAO,

Imphal, Wednesday, July 27, 2016

www.hueivenlanpao.com.

रीमस्तर शिजारणिक्र रेणिक्र गारुञ्ज सिर्र रस्त २२ विस्



॥ रिज्रणाल्याच रह्य सामेर प्राप्त के स्वर्ध विकास विकास विज्ञा विकास विज्ञा है स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्व ा <u>भक</u>्य गर्मा किर<u>भ</u>क्त स्ट्रेस स्ट्रिया रिज्य रिजया उने रिर्पे हेर्पान्य भार अन्त भिर्प

ा निर्दर्ध देस छरणान्य १०४ दर्ज गरणान्यार हाएं ज्या विषय हमा के विषय हमा के विषय हाए राणे के जिल्ला साराज्य हाले जिल्ला सारीम भागारामध्य देख्य के जिल्ला के जिल्ला के जिल्ला है जिल्ला ग्रेहम प्पर्श हे प्राक्रीय प्राची

राध्य ३२ कि.स. , रिस्टर्क प्रार्थक्र भूगतीयम एटान्डिय ॥ <u>भून</u>्द्रीभारभ्याँटा महिरोम ीगी<u>उठ</u>म°०°ण एकमध्यम गारणधिर्ह्य भाजीन्नध्रताषा ा शिष्तायाउत्तरः उन्नय पारायायसः स्व्वरोतम् आत्पार्वतः राजनः प्रेसे एक अपन्यतः । । शिक्षायाउत्तरः अत्वरं ।। स्वीत्रपार्वतं व्याप्रमा आत्पार्वतं उपन्यतः ।।

अयर ह्र

ಹಾನು ಬಾಬತ್ತು ಭಾರತ ಕಣ್ಣು ಹಾಗಾ

ਹੁਣਤੂਜ਼ਕ ਤੂਰ ਸ਼ਾਲਤ ਨਾਲ ਨਾਲਕੁਟ੍ਰ

ल्ला भर्या १९६५ में अर्थ के ज्ञ

നംവുമം അലുമു അവേ

णश्वस्थित् ४<u>५षा</u> अरुभिः उठ्न

ह्य गिर्श्वम अभुग्रम मु

ज्याज्य सम्द्रमा भारतम् अद्भाम

त्रहर्वक वाजा भाउ°डोह भिद्यक्त

व्यक्रम सभी टेंएए टेइस

<u> गाम्</u>लाहरू ४, इ.स. १, इ.स.

भ्रहम॰म ग्रिष्ट भाराम ४<u>५ छ</u>

ीणहर*्*ष्यम ॥ भि^भन्नष्यापार्याम

म्यमार्क्षण क्रमस्य अद्धरण सिन्

<u> प्राट</u>्ठ प्राट अंग्रेल अंग्रेल श

ीगर्ह्य प्रोलक्षरं स्र रूप्रालमञ्ज

गाल[े] एक्टों स स्वारं गोरुम्धटाण्टी, ॥ राज्याहरू द्वर्मा एउई देम

HL Poll

Q: Chahi 16 chara hellaklabi

POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Vote thadanabagidamak

www.hueiyenlanpao.com

da Visit toubiyu

NGARANG GI RESULT

Q: Maheiroi leitaba mahei-

sangda oja oiribasing

leibaksigi angam athou-

singga naknaba oiram-

ന്ധ ട്രംജഹം!

क्ष्रित हू का अध्या कर्ष कर करा करा कर करा कि क

angakpa pokpara?

Yes No

Sharmila na chara henba toklagani laothorakpada

णमहीणहण्या राज्र

802e-23

നംമുന്നു

रोज्रर्य

प्रस्टेरि

യാവു

म<u>्भ</u>ुणा<u>०भ</u>ुप्त

प्रकार मध्य १६० १५५ स्ट्र

र्मेक्टा

क्रमहेच, टुटेक ६६ (पॅस

णाडापार्वराणीत स्वार्धन रिपायस्टार्ट्यभूरेम दर्कम प्रकार मार्ड्य स्थानीस पाडारान्य प्रमहीम, रिदर्वर प्रवेत रिम प्रपार्यम ेटियाएँ से स्केट किस विकास स्वास्था है। असे अपन किस के किस किस किस किस किस के किस किस के किस के किस के किस के हुम पोटार्रभित्र माप्पभार प्रहुम हर°र १ ोरूस पार्भन्न ग्रम्यत ॥<u>१५४</u>५ ४८६ १८४दर्व १७**ष्टा**मा दम एक प्राप्तिक सामि वर किस पार्टाण हिंदी पासिक पार्टीण प्राप्तिक पार्टिक पार्टिक पार्टिक प्राप्तिक प्राप्तिक पार्टिक पार्टिक पार्टिक प्राप्तिक प्राप मी अधीर स्ट॰ऽ क्षण्यस्य हुस्य ॥ ७५८त्र थ्याडप्य ६४७० विर्

हर ३ ४००५७ सञ्मीभ गिर्मम ं। दर्मात राष्ट्रक एक चारिक<u>भाव</u> भित्र हे सिव्यान्त्र । दमर्गात गत्पार्गात दर्ज स्ट्रॉप्टीडणील भाषरञ्जल भ्रेर भारत्राभाज । दप्पर प्राप्तार्थं से ५८ ५८००० मा <u>मित्र</u> ५५ प्राप्तार्थ हे प्राप्त रुखणाडाणीत दम जासराद्या प्रत्योम उपाराजाल उदर्शनार्थण विरद्धलिल रठाएँ) भारश्रञ्ज संप्र ोहरठार्याः ॥ स्होरणभेन्द्र रूणोगायाः स्वय्य रत्यारम रुठाएँ । रेपान्त्रभारश्रञ्ज संप्र र्टाध्य होराक्र है पार्थ्य विद्यापर्वज पाजस्थर होता स्थापर्वज होराह्य होराक्ष होरा हो होता है हो हो हो हो हो हो වාව<u>හනය</u>්ධේපවසය පවත්ව දාවක් පාර්ය පාර්ය පාර්ය දුර්කමය , එයේ වාශ්යස සාශ්යස පාර්ය ස්වේය වාශ්වය සාර්ය සහ ස්වේය र्भर एकर प्रमुक्त ॥ दर्भवरस्त्रे हाधोराञ्चराञ्चर्वापर्भक । एददर्शना । प्राचिति स्थार स्थापन स्थापन स्थापन स्थाप

मर्टिया के साराधिक के ब्राह्म कार्याधम कर्म जनस्रित यह स्त्रेणा यसे सरिसेंसर टेज्नमार, त्रेणटीर, रहन, प्राट्या प्राप्तरम जर्मेटीसर प्राणटिसेंक, त्र्रीष प्राणटिसेंक त्रेकर Уपार्वम रूपाय विषया प्राप्त अयापा अपामभ्यम भोडण डें छैंदम पायितम में पायित्व, देशभेष राष्ट्र उदर्व रिणाडणार्थर हेपाद अपाडणव्य ीज्यागारम्पाँट जहदर्ट ग्रास्पार्वम जम'-ीक्ष जप्पमाधोह्य विस्पार्टिन ह्या मर्चर निर्देश न्यामा अध्यक्ष स्टामिर हर्ट व्याप्तर्भक्षा मर्कर रूटियोम गीनर्रद देस एणर्वक है, सधा १० <u>भन्द</u>ीरदेँछ अरभाष्ट्र गोर्भारोम गानर्रद स्था <u>भेष</u> विषय ,अ<u>भन्द</u>रोष्टम 15रुम९९९ण रोभेन्रेजादर्ण प्रस्थीम एदर्व प्रेंग्रप्ट हैंद्रण जा<u>भ्य</u>म्भ प्राप्ति रहोम प्राप्तीरहोदर्पाणा दर्म जार्भेड भ्रत्य विद्यार्भाभ म्हराहरू विष्णाचार्यम राज निर्मात स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान सामान्य कार्य निर्मात स्थान ण्यात के विषय हो स्वर्ध मान स्वर्

्ट्रत उमरप्राध्यत्वर्यं <u>५४</u>४ भ्रत्याधीह्य जाटियद्धार्यम उप्टे भिम पारञ्जा अभ्र ीर्णाणस्य ,दर्व एएटे थिस जाटक रहवारिवार हार्क्स जिल्हें होर्थे रहे पार्वे स्वर्ग रिवर्ट एवर्स ीगामुंडिन पामामा पालन हर्फान छाप्रस डीमान्नेट मह्मिन्नेट ज्रुडाप्पान्ताचित्र हर्फा कर्म पालन स्राप्त क्षा प्रा उर्दोम्नास्ट स्यामाणीहरू माग्नोम भागार तथा दर्क पाटपार्वाक्य भागित्र भागित्र भागित्र अर्थान भार्षेट उत्तर पाटवर पाटवर पाटवर्त पाटवर्ष हुई। मध्य पामहीणीयम ॥ १५ महान्त्र्यः ॥ १५५५म अहुम अहुम अस्य होधिहासार्वे हार्यात रामहूर राष्ट्राय राष्ट्राय रा एट्स भारतम ॥ जैमन् दर्वावद ए २३ वाभभार ह २००३ ईमाष्ट्रा एपार्टम राष्ट्रिक्ट तारु पाराणा भी व प्राप्त प्राप्त पार्थि एक एक प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप रार्वेर सार्वम उर्शमभ्य किसूम १००० वाभ्ये रोधवर्त ॥ त्रित मण्या अभवर्ष प्रभाम भणस्य स्थान स्थेत योगस्य नार्वा वाभुम न्यर<u>्जाभ्य</u>

मण एक्स रिज्ञार रहेग्रेण गारमञ्जार

७णार्ज्ज 141<u>58</u>4°C & Pago Firsto Corníndo ॥ दर्भभ्वरञ्जीर्भर एउपार्श्य ।पाष्ठञ्जन

मध्य पाधम विश्व मध्य पाधम राखराष्ट्राधाराणः प्रायम्भारतः प्रभव्यक्ष मन्ययाय भामन्याप अवर्ष सञ्जवः

Merchal Me THUUT COUNTHU तुश्रात गुण्या स्वाप्त स्वापत स्व

७७७ र्र्फ) ३२ दर्5रु ,रर्जमद **७५७% उत्तराला अधार १५७%** ож жо प्राम्ह**िल्हा**र्ण **പ്യാതാഷതുക്കുന്നു** ત્રય∪⊼હત્ર क्रियाहामाला जाता युवाञ्चल । एं अहि प्रिल्य प्रात्या अल्य प्राप्ति स्था उड्ड መንድ©ቈ©ዊ**መ**ሰ Com 200श्रुहोजीस द<u>ुर</u>मस्य യമിടി പാരത്തെ സ്വാധന लाजाता हिस्सी हर्ने हर्ने हेर हैं हैं हैं है ०७७६म टेप्पटी४ प्रभाष्ट्रप ग्रेसार्प ज्रार ४००५० मध्य ॥ ज्ञान्याञ्च **श्राज्य**ीमाष्ट्रा ലാഷ്ട്രാപ്പെടുന്നു प्रायम अप प्राप्त अञ्चल प्राष्ट्रम भारत श्राभर्तण्य भारत्य विस्त स्टाम्या स्ट⁵ प्राप्तम् ॥ रिजापेन राजभार णिध्यत्रधाना विष्णात्रम्भ रत ए०३५वर्च प्राप्त ४२-२२०३ ५मा भार्ति संदेशक आध्यात्र भारति हा स्वाप्त गिनहर्त<u>ात</u> होलक जलीमाम भा जर र में पारिष्त रुंटिंग्र मापामा ट्रागों अ,००० मार्राभिष्ठलिसार्ग ट्रागों इडें अप्राप्त ह्यानि ह्यानि ह्यानि है भारत्र<u>त्त्र</u> भाराम राज्ञ<u>भत्र</u>क्ष मेज्रह क्रिंट के प्रकार क्रिंट क्रिंट क्रिंट ीएड्र हम्मण के पारिष्ट जीकर<u>ुभा</u>र \$0,000 ਛੱਟੀਂ ਡਿਨੀ ਰਿਸ਼ੀ ਟੇਸ਼ \$.\$ ਜ ीणीर्स ॥ गेष्ठस<u>भ्य</u>णाञ्च मणाउछर्ट उरुक जिरुद्ध मीक्षायुद ॥ १ जाग्रस्य कि राम २ वर्ष व्यवसामा विदेश क्रेट क्र विदेश क्रिस

॥ भिञ्चर्र एणीएद<u>्रक</u>णमद रुहणीए

उनहेन, टटेंड ६६ (प्रेंस ए॰ एसमन जेपाएरटाएटिए सीर ए॰०वा विकास रुण्यञ्चली भग्नाधीली ग्रामुख्य म<u>भिष्य</u>मध्य मी त्रामा समार्थ हरामार्थ हरामार्थ क्या हरी त्रभ्य के भूम रेपाण्य अन्याप्य अत्याप्य अध्याप्य

७०० द १५५ मा १५५५ १५५५ च १५५५५ च १५५५५५ च १५५५५५ च १५५५५५ च १५५५५५ च १५५५५५ च

॥ भिदर्श त्रयार्थ सार्थ भाषाध्य होत्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त മാധിയുന്ന പ്രാച്ച പ്രവാഹ मध्या ,दर् स्थाय भारता प्रभागावा मध्या प्रभागावा मध्या है, स्थाप प्रभागावा मध्या है, स्थाप प्रभागावा मध्या है, तंयारहण्या अतर्त होगात्या दें ये भाष्य संख्या संस्था स्ट्रिष्ट मञ्ज छहुभूगहुँ भूक भूष्ठ भूष्ट भूष्ट कर्ष भूष्य भूष्य होत्याहरूपाण्य उदर्ज विशिष्टा । विश्वमन मनीम स्थाय अराध समरम राज्याधीमा मा अराधिमा राज्यमं पाहुम र ष्रामञ्ज विष्ठर्ल संभर-रहण राजे विश्व आरापार्टिस्ट हारापार्ट जीवन विश्व होते हो हार हो है है है है है है है है ਹਲਜੜ ਜੜੀਜ਼ ਮਾਘਾਨ ਹਸਨੀਜ਼ ਨ (।। ਹਿਾਆਨ ਸ਼ਿਕਰੰਜ ਆਭਾਨੀਯੀਆ ।। ਹਿਲਾਜੁਕੀਕਾਨ ਹੁਮਾਰਾਅ ਕਨ ान्निक ५०% ५०% भूते होता हत्या हत्या १०० ०२ राज्यंस प्राप्त राज्यक्त राज्या सम्ब

टेप्टान

। भिरस्थार जन्मीलभभीहरूलाच्या रजारि

णणाँ हु अराध म<u>श्वित</u>मध्य प्रष्टा शास्त्र हिन्दु । अराधि । रहें भारतियार्थ प्राप्ति प्राप्ति के स्वाप्ति माध्यति माध्यति । स्वतंत्र प्रमाध्यति प्राप्ति माध्यति । स्वतंत्र ण्यभुटा भाउँपाध्य ह्योद्राद्योठार्य खणार्थ ज्ञाचाटा हो स्वर्य ग्रायण दक्तिस गदर्य माण गर्धिस विषय निष्या स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप माध्य स्राज्याज्य विकास साथ्य मुक्ता है है से साथ मारा है है से स्वर्ण है से स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर र्रेपार्य गिरु एक स्थार स्थार हिल्ल प्रतामा में प्रताम प्रताम प्रताम प्रताम ह्यात्रमस्य ज्ञन्य <u>तर्वमा</u> भार<u>मार</u> द्वा रहण्यस्य सार्व हमस्य मिनस्यमा दर्व भूगाणम भारे राणील स्थार्य प्रात्मिक हमरीभा । त्रिय हमरीभ भन्नभार विष्या र्रेक भारा विराहर अध्य अहम्मा सम्मात व्याप्त स्थात हाम सम्मात प्रकार प्राप्त स्थात स्थाप सम्भात हाम सम्मात स्थाप स्थाप सम्भात स् मऽस्प्रीय विषय दश्यर्ते म हो इमक्ष ए छदर्व विषय स्वयं स्वयं सारम विषय म अ अ व अ व अ व अ व अ र्रेपार्थ्य भाषज्ञन्त सिर्म ग्रीग्रम

> क्रिज **क्र**मल्क्ष्मक प्रादर्भ (१५) उँपा^रस विद्याला का प्राप्त क्रिक भ<u>ाभव</u>रभू

भित्र स्थाप से स्थापित भरावित्र



॥<u>भन्</u>यदर्भऋर ऋरार्षम

याण पाराण राजाप ാമ്പുകയാക്കു भूरिण्म ॥ बिर्ण्यम् व्यापित्रम्

१००० दर्भन्म सरगभन्त रणदर्म साम्मा पार्गमा तिमाण पर्याण्या । सम्बन्ध १९०० । सन्दर्भ विषय । १९७० । माया पाठम एसरम् प्राप्तमा पाठमा एकत दक्षेत्रमा। विमय एस्पर प्राप्तम प्राप्तम में क्रिया प्राप्तमा । रिक्स अधार्य के करभ्यात सम्बंगात्य हर्व हम १४ में समा समार्थ हम प्राप्त कर्व १० ९० मध्वयोत अभिरात अवर् पर्यात है है है से स्वाप्त कि स्वाप्त है से स्वाप्त है एटाराम समापार मेमर भर्माच दर्ज पर्या अराजियार पर्याच्या भरा भराजे हिन्दे हैं। एते हिन्दे महिन्दे हिन्दे हिन्दे रम रिमर स्रीतम परपणीम एभर गिर ए॰ ए॰ ए॰ विषय विषयोर्ग प्रपायर भेर्नेम भारम्य विषयो ॥ जिल्लाचि । रिस्मा छर्मा छर्मा हमारा छम्। अस्त विद्याप राष्ट्र प्राप्त । अस्त विद्याप हमार्थे । अस्त विद्याप हमार्थे । र्वेसरहाधाः प्रस्म ह्या पोलद्धाः हो प्राप्त पाणम विपाधाः अध्या ह्या । अ.११

स्त्रीय णार्शक्षायाः रहमल स्रोयमङ छाधांक्ष राधिस्ट छम हिन्य हेल्या एस्प्रेम विकार विकास कार्य हेल्या होत्र समध्य एक्ष्य होत्र समध्य एक्ष्य ॥ तिस्राति एक्ट्रंट प्रा<u>फिल</u>्योह ५००द र्म्बन्द ह्याप्राप्त ५५ स्त्री कार्य अराजिस कार्य कार्य के अराजिस कार्य ाध्या से साम साथ स्थान ोणानमाल भिन्न स्थाप भरतर्क भिन्न साल सर्ह्न कालेल मालद स्थाप साल साल साल सहस्र हिंद । सिन्न स्थाप साल साल साल सहस्र हिंद । सिन्न सिन् रह्म विद्याद मिटा कि सार्वे मार्चे प्राप्त कि मार्चे मारा कि एक प्राप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्व ॥ विस्थार विस्तर एएस असी विस्तर प्राचित्र होता स्वार्ण होती है । विस्थार विस्तर विस्तर

ल्यामम प्राप्ता । रिदर्दर्स्य एराएस ज्याती अ<u>र्थ</u>ण स्रोधित ज्ञान फ्रिम रिधम दर्भितम रहरू रदर्भित र्रहागार कि गाया यांग्रेस एकस्थार **Шटित धर्में मा रिस्ट अप्तर्या**त णभेंडे दर्जम प्यमण गिरुह्रण मदम हर्ण स्ट्रापार्क जमर अभर देन भारति <u>एत</u> ज्याधित प्रभिक्त आदिशिय प्रभवा प्राचार हार महम ॥ हित्र अत्भन्न म्याप्टभणगास्त्राणि गार्टिटिट स्वित्रेस एस होतार्पक्ष मन्त्रण /रिप्ण एक ल<u>र्रम</u>ा एलीजार । बिस्र होजार विसंड रूप प्रतेण २२ दर्वज , स्विसद र प्राणम ह्या प्राणदक्कें म

अहामार्थेर जनाया पार्व हरूक मध्यम भिष्यम ॥ जिस्सर जन्म जहाम ग्रात्मर्ड स्रोरमर जस्टै सर्दरम रिमर पा<u>भिष</u>्टाह ४०१८ हर्नमद जस्पाधल भर्रे ले े ि भासर्वर मर्भ ॥ ऋी राजनार्यं वरभाग्राण व्योक्तीयां रात्याचा हा जाता हि क्या विवादी जाता जाता वर्षा कि स र्यभ्यातीय विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य වයර්5 ග්රාන්ත්ලේ හලුග්න වර්ගත්ත හැන අයන

ल जिल्ला करण किर्म जा कि लेक्रए ए॰न द⁸ये, ब्लायक अन्त्रम

मुख्य अन्यस्य अध्यक्षय आतातस्य अद्भव्य प्रमध्या प्रमध्या अस्य अस्य

ण्यस्य प्रज्ञान्यस्य

दर्शि होगार्भिष्ट होत्रपर्धि स्टार्मा स्टापर्ध

णाणीलीह्माँत रत्नीर्वण स्वन्त भरीवरण रत्नि अण ीयदर्क उर्व दंस उपार्वम रहण्य कि ी० दर्प विषय्भभभभीति कर्राणीय राजमारी १९५३ स्थार हर्ने अन्तर्भ विषय १९५४ १९५४ भिम्म एक राज्य के भवराज्य महीज पारिभार्यका अर्थाज्य महीज प्राप्त प्रभाविक महीज प्राप्त प्रभाविक भवराज्य महीज प्रमुख्या स्थापिक एड स्थान स्य र जिल्लास स्थर अर्थ अर्थ मामामा निर्माण किर्पा कर हो है ॥ विराधान समान्त्र त्रास्त्र समान्त्र मान्य समान्त्र मान्य समान्त्र मान्य समान्त्र मान्य समान्त्र मान्य समान्त्र ळ्डम्ब्यार्यस्य मञ्जूष ४५००

गणि में ये जिस्ते जिल्ह ह्यापुम ीप्पी<u>भव्</u>दलीह रहेंद्र <u>भह</u>मक्ल भव्हण किराज्यांप क्रांटा स्थापा क्रिक्स स्थापा क्रिक्स स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्थाप णोटास्वरण कर हुन स्टामा स्टान्स (मर्टान्स) स्टान्स वर्ष टाज्य वर्ष प्रज्य कर हुन स्टान्स वर्ष प्रज्य कर हुन स ा गिरही ब्राया भारत प्रकासक्त करभन्न प्रकार प्रकार प्रकार प्राथा भारत है।

...ह्य दर्सेट द्रम

र्जन राजरंज रायर्ज रायर्ज राया ।। यह स्वार्थ ।। यह स्वार्थ ।। यह स्वार्थ । यह स्वार ॥ बिर्माण्याच्याच्या हिन्स हो स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्म स्वर्मा स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म रूपमञ्ज दक्षाद रुक्नेण पारिष्ठातीयम पामार्थाभाषा एकार्य प्रभाप एकार्य प्रभाप दक्षीय प्रभाप प् प्रकेटें रूक मज्ञार्य भागभिष्य ග්රාපරාදුණ ජාපයේග ණා විශාලයා පණ්ඩ විශාලයා වලයේ ඉහැසම ශ්රීව පස්තු සහ ගණ්ඨ ජාපාල්ට මහ වස් විශාලය වස් විශාලය

देखाँ स्टार्ट छहेखा । अबरें प्राटिपक्र प्राटिपक्र प्राटिपक्र प्राटिपक्र प्राटिपक्र प्राटिपक्र प्राटेपकर मार्चे के प्राटिपक्र मार्चे के प्राटिपक्र प्राटेपकर प्राटकर प्राटेपकर प् स्तुया मनर्र्य । गिष्ठीत्रपर्वातः हुत्रमातः हीत्रपार्टनं प्रत्य। दर्वर दैन हवािशवािष्ठ विभागापार्वक्रमात्व सिम ,स्टिन्टा प्राप्त कर्य प्राप्त क्षात्राचा मालावा मालावा हुर महत्वाच भारत्यं प्राप्त हुर भारताचे भारत्यं प्राप्त ,अर्द्धम एट्सीए एटस्ट्रेस द्वार निष्टबन्ध राज्य राज्य वार्ट्ड वार्स्ट्र निष्ट्रमा निर्देश वार्ष्य वार्ट्ड वार्ट्स निर्देश वार्ट्स निर्देश वार्ष्य वार्ट्स निर्देश वार्ष्य वार्ट्स निर्देश वार्ष्य वार्ट्स निर्देश वार्ष्य वार्ट्स वार्प्य वार्ष्य वार्ट्स वार्ष्य वार्ट्स वार्ष्य वार्ट्स वार्ष्य वार्ट्स वार्ट्स वार्ट्स वार्प्य वार्ट्स वार् एक संस्था साहस्या हेन्स स्थाप साम्यान होता चारा है जिल्ला साम्यान होता है जिल्ला साम्यान है जिल्ला साम्यान होता है जिल्ला साम्यान होता है जिल्ला साम्यान है जिल्ला साम्यान होता है जिल्ला साम्यान होता है जिल्ला साम्यान है जिल्ला साम्यान है जिल्ला है जिल् ॥ दर्ध रैंग्रम हो त्रपार्थ प्रपार्थात दम्भ छुद्ध पार्थ पार्थ ह<u>म्ब</u>र्य दर्गय हम अर्थ हो पाभिष्य

, मारिकस्टारीय हे सुन संस्थेत प्रकार कार्याय प्रकार मध्याय हे सम्बाधिक स्वाधिक स्वाधिक स्वाधिक स्वाधिक स्वाधिक

क्रियभगाउँ ८४ समास्य भूजादम

र्ट्रमद पाठाप्टर पामक रुपा<u>भर</u>ी हिमा रिद्यार भिर्म भादमपा

ഉപിനിക്ക് അനം വിധാന വിധാന് വാന് വിധാനിക്ക് വിധാന വിധാനിക്ക് വിധാനിക് होत्याल पामकीणापारिल्डा मियारिस मरिक्सिक्ट पानिक्स्टम स्टर्नम भिष्नकर्षन स्र्मा उर्जन हम पार्टिस रिलाए हार्सिस पार्किस वर्तमार रिलाए सहस्र मध्य ॥ १५ जदभन्दर्शात एपर्गात दर्भ र्गाएड होन्द्रें हे प्रात्मात स्ट्रान्स्रेशन जिल्ला स्ट्रान्स्रेशन जिल्ला स्ट्रान्स्र क्रिक्शन जिल्ला स्ट्रान्स्र क्रिक्शन स्ट्रान्स्र क्रिक्शन स्ट्रान्स्र स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्र स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्र स्ट्रान्स्य रू ०१२ णर्वण राभवर्ग्ड उरुपरत -२२०३ ईमसा ॥ भव्यप्पर्भर्वत्तत २२२३ एभव्य भसाभेत ४ अ<u>श्वान</u>तंत्र रहस्य भसाभेत सम्बाद्धेत रहम् ॥ रिस्थार्च एहणोऽमड हर्द्धस हिस्सक्ष भन्न पाल्य प्रहार्स प्रार्थिक हिस्सक एह ॥ दिया एक प्राप्त स्थाप स्थ सभी टैंएर रू॰-प्रेस रेख्नभत्ररहाणि ट्रांसट ट्र॰चेमार्स, रोसाजालेमार्गा, रोस रेख्नर होण्यटर मेखन्य स्थान हेटर ट्रिक्स स्थान स्थान लागिता राजित के साथ प्राप्त कि प् ॥ भरत्यः हे र ५० छैर चार्टा प्रदेशी १ व्यापानी स्वापानी राजिया दर्जनावार र ५५ के हर्जात निवस्त है । प्राप्त पारक विद्याप ।

मिन्दर्क अनुग्रमिरास सम्प्रात्य हुन हिन्स हुन मार्गाल्य जाने रूपमास हुन ३२ साग्र सहरोमा ग्रीमार ...हळ दर्मेट ब्रेस

रूपारिस<u>र्भभा[®]भा</u>र अध्य प्रदेश २२ दर्श, स्विमद වර්ටක ኦෂංਜ×පනිර්ධ සා ව්යාක්රය ම්රික් ස්වර්ය දේලංක වේ වෙන්න් වය දින් වා විධාර සා සා යා වෙන සා ස්වර්ය සා සා සාව්

'अर्व कि कि जिल्ला के अध्याप्त कि कि कि

⋿ℴℿ℁ℴℿℷ⅀℞℄ℿ

गार्रा **स्थान्य अध्यान्य अध्य अध्यान्य अध्यान अध्य अध्यान्य अध्यान अध्यान अध्यान अध्यान अध्यान अध्यान अध्यान अध्यान्य अध्यान्य अध्यान्य अध्यान अध्यान अध्** ररडासाध्य सर्वस एवर्ड भागित लागेर किसाए । दर्र रथण रापीरणमी<u>ष्प्र</u>

ऋग्रिक्सिक्ट्स **ਸ਼ੀਨ**ਙਲਖਟਿਂਡਿ ग्रास्ट्रेस विश्व हैं विम्न रिप्रक

रिटारियामा करिया स्थापन स्थापन स्थापन विद्यापन विद्यापन विद्या विद्यापन विद

भरोबराय ४ ६१-५१०४ र्भाषा कि एक रहत्त्व विभाभभाषात्रात भक्त भ्टर्भार हर २,२२८२ दर्भन्त्रेम एदर्छ प्रोभ्भार घटरापण्डासमाष्र पटामाण प्राटिश्वरात प्राप्तिस्था भाषाट्यामा प्राप्ति <u>भिगा</u>र हर २२४२ र भिर्जन थि ०७० पापी०५५ मध्यारीह र १ हरू ा रिस्कर्म प्राप्त सिर्ध मानिस्थ मानिस्थ मानिस्थ मानिस्थ मानिस्य मानिस्थ मानिस्थ भ्राणा जर्दण विवास ताम्यात हाम्यात हाम्यात हा विवास ोह्रमण २००० दर्भक्रम एत्योध्वरंभ ए प्रार्ट्सार्यात एक अहरमहर्स्यात ह २८ दर्भन्स एप्पोफ्फ्लम फ्रिप रिप्रा ४, अञ्चरभर्भातिह , जिदर्न ५५दर् र्जमापा ।। रिस्थान्त्रे मरीक्षा ।। दाप्पार्वदर्भ एप्पार्वा मन्त्रम भवरप्पार्क जिस्सासमा सरावरण २२-२२०३ राज अस्तरावण राजस्तावण राजस्तावण समन्या मञ्जा निक्या निकार निकार निकार । विभयदर्गा देखा पाठक छदापर्वसदर्भ टेंमधारात, मधामी ॥ धिदर्दर एग्र प्रालमण हिर एग्र राधदर्द, लभंस ोहस्य प्राच्या प्राच्या प्राप्ति हे अरस्यं र राज्यतं विभाग िप्रक्र मह्यक हाया स्थाप स माराम भण्याते हामान विदर्श होमान भणिएम भारिए वर ३२२२ दर्गीम वर्गम भरीबर्ग माध्या संबंधित हर्व्याभिक्ष ीण, जि. प्रस्में शेला निस्तीम लार्षधान्य करामाक्ष्यलक्ष्मञ्जन मध्य त्रा प्राप्त क्रिमा कि भूक ह्रद्रण्ण ४०१भवं ह्याधिमात्रम हर्ष्ट्र घोलाण ॥ भन्दार्णाञ्चार्वत ६२ सध्य ५० व्याप्तिमार्तमा

...ह्य दसें रंस

स्टिगाभिक (७°७४४°२ ८)प्पामि ६६ टेम्८ गोर्फिप्स्टिश के. स्टिण्किमे रस्या द्वाता विद्यात व

Yes 73% No 27% क्रमहेन, टटेंक दर्ज (प्रेंस पण्ड **82-9202 1気灰 を野**の :(0°**m** भिष्मा भार "उभ्रद्रांण भारते विष् ഗംയായ ചിലെ പ്രത്യേക് ഉപ ଅନ୍ତର୍ଥ୍ୟ ନ୍ତ୍ର ଜଣ୍ଡ ବର୍ଷ୍ଟରକ୍ଷ 39 HIMO 1903/1907 COM F 98 ण<u>्टिणा</u> एवर्ड विभयदर्गात कुम⁶ं ज्ञामित्रसम्बर्धा अस्तिना प्राप्ति ा <u>भर</u>्याध⁶स्ताद्य रा<u>श्मर</u>्भारम्

त्रज्ञात्रम स्रज्ञाहरूस भयाद्य

र्त्याण ील गार्र ण्डणं प्राप्तमाष्ट्राप्रमाष्ट्राप्तमाष्ट्रा प्रस्मभाग्दरि गागिटी मर्झात



कामाराधिक व्याप्त विवास के जा माराधिक व्याप्त के जा कि जा के जा कि जा के जा कि जा के उदर्ज पार्टिक प्रिक्त के प्रति है निर्मा के प्रति है निर्मा है जिस अर्थ में किए जिस्से के जिस अर्थ में किए जि के. जर्भ प्रेंज सुराष्ट्रक्रम् ट्रांच प्राप्त हुमों सम्बन्ध 🎖 🛣 🛣 का प्राप्त स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स्य राया हेस्य अन्यतः सरवाः राजनीय पामीक्षातः भराभीक्षातः भराभीक्षातः प्रभूकाः प्रभूकाः प्रभूकाः प्रभूकाः राज्यात् । छि ५२३ सभ्भा मिट एवं के रहत

။ १४७५% जदर्र इलीमाष्य प्रो<u>र्ग</u>ा

हुए निर्माणक रुख्य । निराधिक क्ष्रिया निराधिक प्रमुख्य प्रमुख्य । ह्याम राज्य सारोड विवास साराज्य साराज ण्या प्राप्त विकार केरा महाविष्टा कराने केरा महाविष्टा के १० १००४ है निष्प्र विकार ॥ विभन्न मार्थे । । विष्य विषय विषय । । विषय विषय । । विषय विषय विषय । । विषय विषय । व र्म होती में जात का जात के जात है जात ीणमद्ध ए° तस्त्रमण हो ग्रा चाहरू राजस्मा चाहरू चाहरू चाहरू चाहरू चाहरू चाहरू चाहरू यामकी पाठण्डाज्य स्थात ज्याप भारत होगाक अरुरश्च गाँउ अरुरश्च भार ॥ भिग्रभेर त्रोह्र इत हरस्र ०,३०३ क्र ध्यामा स्माप्त प्राप्तदर्ग भा ए॰५ ऋक्ता अम्बर्ध अम्बर्ध ए॰५७ स्था अप्रकार प्राप्त भारत स्था ।

Corner and a control and a con भटाअंगा ॥ दमण प्रसं राज्य एकरअंग सामुस्य सामु ிगोलक २०<u>४०</u>० छोल रिक्का । भिर्दिणकुम छमर्र ५०४ लाएक प्रोत्ने इत्रहें स्वाधिलानिक स्वाधिक स्वाधिक अन्ता विश्विष्ठ स्वाधिक स्थित्रभी माधिक माधिक समित्रभी प्राप्ति विभाग ₩₩₽₩

ಕಿವಲಿಆಯ ಖಾಗಿಯ ಹಿನ್ನೆ ಕಿನ್ನ

ए**७-टे**गा०॰४२ ए॰०ए॰२ गाव रदर्गभभ रगभ्यस्र अत्र राष्ट्रम **1) 中央の田田の田の田 (1) 1939年** (1) 1939年 (1) 1939年

...ह्य दर्भाट ब्रम ବଃଅଟେ (୦)-୧୫+ ୩୪୩ଫ ଅମ୍ମିତ ଅପର ଅନ୍ୟର ଅନ୍ୟରେ ଅନ୍ୟର ଅଧ୍ୟର ଅନ୍ୟରେ ଅନ୍ୟର ଅନ୍ୟରେ ୧୧୧୪ କୁ ଅନ୍ତର ଅନ୍ୟର ଅନ୍ୟର ଅଧ୍ୟର ଅନ୍ୟର ଅନ୍ୟ